आकाशवाणी, गोरखपुर

दिनांक–11 अक्टूबर 2025 सान्ध्य समाचार

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने आज नई दिल्ली में कृषि और इससे जुडे क्षेत्रों में 42 हजार करोड़ रुपये से अधिक की कई परियोजनाओं का लोकार्पण और शिलान्यास किया। श्री मोदी ने 35 हजार करोड रूपये से अधिक की लागत वाली कृषि क्षेत्र की दो प्रमुख पहल प्रधानमंत्री धन–धान्य कृषि योजना और दलहन में आत्मनिर्भरता मिशन का शुभारंभ किया। इस अवसर पर प्रधानमंत्री ने कहा–

प्रधानमंत्री धन–धान्य कृषि योजना और दूसरी दलहन आत्मनिर्भरता मिशन ये दो योजनाएं भारत के करोड़ों किसानों का भाग्य बदलने का काम करेगा। इन योजनाओं पर भारत सरकार करीब 35 हजार करोड़ रुपए से ज्यादा खर्च करने वाली है। साथियों, खेती और किसानी हमेशा से हमारी विकास यात्रा का एक प्रमुख हिस्सा रही। बहुत जरूरी होता है कि बदलते समय के साथ खेती, किसानी को सरकार का सहयोग मिलता रहे।

प्रधानमंत्री ने बताया कि दलहन में आत्मनिर्भरता मिशन भावी पीढी को आत्मनिर्भर बनाने की योजना है। जबकि पीएम धन धान्य कृषि योजना के अंतर्गत पशु धन पर भी विशेष ध्यान दिया जा रहा है। श्री मोदी ने कहा कि किसानों के हित में देश में छह नई उर्वरक कंपनियाँ भी स्थापित की गई हैं और पिछले ग्यारह वर्षों में किसानों को पचीस करोड़ मृदा स्वास्थ्य कार्ड वितरित किए गए हैं। सौ से ज्यादा पिछड़े जिलों को आकांक्षी जिला योजना से विकसित किया जा रहा है। इस अवसर पर केन्द्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि जीएसटी सुधारों में, सरकार ने कृषि उपकरणों पर जीएसटी दरों को कम करके किसानों को राहत प्रदान की है।

प्रधानमंत्री ने आज जिन परियोजनाओं का वर्चुअल रूप से लोकार्पण किया उसमें चन्दौली में करीब बासठ करोड़ रूपये की लागत से निर्मित अल्ट्रा मॉडल फिश मण्डी भी शामिल है। लोकार्पण के बाद प्रदेश के मत्स्य विभाग के मंत्री डॉक्टर संजय निषाद ने मॉडल फिश मण्डी का निरीक्षण किया और प्रधानमंत्री के प्रति आभार जताया।

****

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने आज भदोही में उन्चासवें अन्तर्राष्ट्रीय कालीन मेला और चौथे कार्पेट एक्सपो का शुभारम्भ किया। इस अवसर पर उन्होंने देश–विदेश से आये कालीन उद्यमियों और निर्यातकों के साथ संवाद कर भरोसा दिलाया कि प्रदेश सरकार हर परिस्थिति में उनके साथ खड़ी है। मुख्यमंत्री ने कहा कि परम्परागत उद्यम अर्थव्यवस्था की ताकत है और सरकार ने उन्हें लगातार प्रोत्साहित किया है।

परंपरागत हस्तशिल्पी और कारीगर हमारी बड़ी ताकत है। इनका बहुत बड़ा योगदान रहा है भारत को वैश्विक अर्थव्यवस्था के रूप में स्थापित करने का। उत्तर प्रदेश से हम दो लाख करोड़ रुपये का एक्सपोर्ट कर रहें हैं, जो उत्तर प्रदेश के अंदर बने हुए प्रोटक्ट्स हैं। सरकार की नियत बहुत साफ है, वह हमेशा अपने व्यापारियों और उद्यमियों के साथ खड़ी है।

कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री ने विभिन्न योजनाओं के लाभार्थियों को ऋण भी वितरित किये।

****

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने आज गाजीपुर स्थित श्री हथियाराम मठ परिसर में आयोजित प्रबुद्धजन संवाद संगम को सम्बोधित किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि आज भी दुनिया में धर्म और पंथ को लेकर लोगों में असमंजस रहता है जबकि भारत की ऋषि परम्परा ने हजारों वर्ष पूर्व धर्म को बहुत सहजता से समझा दिया था। मुख्यमंत्री ने हथियाराम मठ परिसर स्थित बुढ़िया माई मंदिर में दर्शन–पूजन भी किया।

****

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा घोषित जीएसटी बचत उत्सव का लाभ समाज के विभिन्न वर्गों को व्यापक रूप से मिल रहा है। कर की दरों में कमी आने से चाय और खाद्य प्रसंस्करण उद्योग को मजबूती मिली है। एक रिपोर्ट–

अगली पीढ़ी के जीएसटी सुधारों के अंतर्गत दार्जिलिंग चाय के अर्क और एसेंस पर भी कर 18 प्रतिशत से घटाकर 5 प्रतिशत कर दिया गया है। इस कर कटौती ने दार्जिलिंग चाय उद्योग की आर्थिक स्थिति को सुदृढ़ किया है। इसी प्रकार, प्रसंस्कृत आम उत्पादों, जूस और जैम पर कर 12 प्रतिशत से घटाकर 5 प्रतिशत करने से उनके खुदरा मूल्य में 6 प्रतिशत से अधिक की कमी आई है। इस कदम से प्रसंस्कृत उत्पाद घरेलू उपभोक्ताओं के लिए अधिक किफायती हो गए हैं, खाद्य प्रसंस्करण उद्योग को नई गति मिली है। रोहन के साथ, नीतिका गुप्ता, आकाशवाणी समाचार, नई दिल्ली।

****

आज लोकनायक जयप्रकाश नारायण और नानाजी देशमुख की जयंती मनायी जा रही है। विभिन्न कार्यक्रमों के माध्यम से दोनों विभूतियों को श्रद्धांजलि दी जा रही है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने भी जय प्रकाश नारायण और नानाजी देशमुख को श्रद्धांजलि देते हुए उनके व्यक्तित्व को याद किया है। सोशल मीडिया संदेश में मुख्यमंत्री ने कहा कि जय प्रकाश जी ने आपातकाल में जनतंत्र की शक्ति का बोध कराया जबकि नानाजी देशमुख सर्वसमाज के उत्थान के लिये सम्पूर्ण जीवन समर्पित रहे।

****